



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उपखण्ड (ii)

PART II—Section 3—Sub-section (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 534] नई दिल्ली, बुधवार, दिसम्बर 15, 1976/अग्रहायण 24, 1898

No. 534] NEW DELHI, WEDNESDAY, DECEMBER 15, 1976/AGRAHAYANA 24, 1898

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके।

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed
as a separate compilation

MINISTRY OF HEALTH & FAMILY PLANNING

(Department of Health)

NOTIFICATION

New Delhi, the 15th December 1976

S.O. 796(E).—The Committee on Multi-purpose Workers under Health and Family Planning Programme set up on 28th October 1972 in their report submitted on 15th September 1973 recommended reorientation of existing Uni-purpose Workers in the field of Health and Family Planning into Multi-purpose Workers. Based on these recommendations the reorientation of the Multi-purpose workers has started. Their scope of functions is also being enlarged so that they not only provide preventive and promotive health services but also a modicum of curative services to the people in the rural areas.

2. The Group on Medical Education and Support Manpower set up on 1st November 1974 in their report submitted in April 1975 inter-alia suggested the creation of a cadre of Health Assistants to supervise the Multi-purpose Workers and act as a link between them and the doctors at the Primary Health Centres. The Group also suggested that people drawn from the community itself should be given some training so as to involve them in rendering basic health services to the rural

areas. Pursuant to the recommendations of the Group the Ministry has taken steps to initiate training of primary school teachers, gram sevaks, village postmasters and traditional Dais to enable them to provide primary health care in the community.

3. In view of the paucity of preventive and curative services in the rural areas it has been suggested that there is need to consider the desirability of having a part-time semi-professional worker in India who is not interested in seeking eminence in medical profession which is available through high specialisation and work in medical institutions located in urban centres. The Chinese experiment in having barefoot doctors is cited as an example.

4. The Government of India, therefore, hereby appoint a Committee with the following composition :

Chairman

1. Shri B. Sivaraman

Members

2. Shri Gian Prakash, Health Secretary
3. Shri B. C. Mathur, Addl. Secretary, Department of Personnel and Administrative Reforms
4. Shri P. Murari, Health Secretary, Government of Tamil Nadu
5. Dr. G. S. Mutalik, Director of Medical Education and Research, Government of Maharashtra
6. Dr. B. N. Tandon, Professor of Medicine, All India Institute of Medical Sciences
7. Shri Prem Nath, Joint Secretary (Finance) Ministry of Health and Family Planning

Member-Secretary

8. Shri C. R. Krishnamurthi, Joint Secretary, Ministry of Health and Family Planning

5. The terms of reference of the Committee will be, keeping in view the recommendations made by the Committee on Multipurpose Workers and the Group on Medical Education and Support Manpower, to examine further the concept of the "barefoot doctor" as part of pragmatically trained paramedical cadres aimed at providing effective health, nutrition and family planning services to the rural community, and to make suggestions in this regard as are capable of early implementation.

6. The committee may consult such other persons and institutions as it consider necessary, and will submit its report to the Government within three months from the date of this Notification.

[No. Z, 16018/5/76-PPH]

SHRAVAN KUMAR, Jt. Secy.

स्वास्थ्य और परिवार नियोजन मंत्रालय

(स्वास्थ्य विभाग)

अधिसूचना

नई दिल्ली, 15 दिसम्बर, 1976

का० प्रा० 796(अ).—28 अक्टूबर 1972 को गठित स्वास्थ्य और परिवार नियोजन कार्यक्रम के अन्तर्गत बहुदेशीय कार्यकर्ता समिति ने 15 सितम्बर, 1973 को प्रस्तुत अपनी रिपोर्ट में यह

सुझाव दिया था कि स्वास्थ्य और परिवार नियोजन के क्षेत्र में वर्तमान एकीकृत देशीय कार्यकर्ताओं को इस प्रकार का प्रशिक्षण दिया जाये कि उनसे बहुदेशीयों की पूर्ति का काम लिया जा सके। इन सुझावों के आधार पर बहुदेशीय कार्यकर्ताओं का पुनःप्रशिक्षण शुरू कर दिया गया है। उनके कर्तव्यों का क्षेत्र भी बढ़ाया जा रहा है ताकि वे केवल रोग निरोधी और स्वास्थ्य वर्धन सम्बन्धी कार्य ही न करें बल्कि गांवों में लोगों को थोड़ा बहुत रोगोपचार सम्बन्धी सेवाएं भी दे सकें।

2. 1 नवम्बर, 1974 को गठित ग्रुप ग्रान् मीडिकल एजुकेशन एण्ड सपोर्ट मैन पावर ने अप्रैल 1975 में अपनी जो रिपोर्ट दी थी उसमें उसने अन्य बातों के साथ साथ यह सुझाव दिया था कि स्वास्थ्य सहायकों का एक काडर बनाया जाए ताकि बहुदेशीय कार्यकर्ताओं के काम का सुपरविजन हो सके और वे लोग उनके और प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्रों के डाक्टरों के बीच एक कड़ी का काम कर सकें इस ग्रुप ने यह सुझाव दिया था कि लोगों के बीच में से ही कुछ व्यक्तियों को छांटा जाए और और उन्हें कुछ ऐसा प्रशिक्षण दिया जाए कि वे गांवों के लोगों को बुनियादी स्वास्थ्य सेवाएं दे सकें। इस ग्रुप के सुझावों के अनुसार इस मंत्रालय ने प्राथमिक स्कूलों के अध्यापकों, ग्राम सेवकों, गांवों में पोस्टमास्टर्स और परंपरागत दाइयों को प्रशिक्षण देने के लिए कदम उठा लिए हैं ताकि वे समाज में प्राथमिक स्वास्थ्य देख-रेख का काम कर सकें।

3. देहात में रोग निरोधी और उपचार सम्बन्धी सेवाओं की कमी को देखते हुए यह सुझाव दिया गया है कि इस प्रश्न पर विचार करना जरूरी हो गया है कि भारत में ऐसे पार्ट टाइम सेमी प्रोफेशनल वर्कर होने चाहिए या नहीं जो शहरों में स्थित चिकित्सा संस्थाओं में उच्च विशिष्टता और कार्य के जरिए उपलब्ध होने वाली चिकित्सा व्यवसाय में प्रसिद्धि प्राप्त करने में रुचि न रखते हों। यहां पर बेयरफुट डाक्टरों के चीन देश के प्रयोग का उदाहरण दिया जाता है।

4. अतः भारत सरकार एक समिति गठित करती है जिसका गठन इस प्रकार होगा :

अध्यक्ष

1. श्री बी० शिवरामन

सदस्य

2. श्री ज्ञान प्रकाश, स्वास्थ्य सचिव

3. श्री बी० सी० माथुर, अपर सचिव, कार्मिक और प्रशासनिक सुधार विभाग

4. श्री पी० मुरारि, स्वास्थ्य सचिव, तमिलनाडु सरकार

5. डा० जी० एस० मुतालिक, चिकित्सा शिक्षा और अनुसंधान निदेशक, महाराष्ट्र सरकार

6. डा० बदरी नाथ टण्डन, कार्य-चिकित्सा प्राध्यापक अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान

सबस्य

7. श्री प्रेम नाथ, संयुक्त सचिव (वित्त) स्वास्थ्य और परिवार नियोजन मंत्रालय

सबस्य सचिव

8. श्री सी० आर० कृष्णामूर्ति, संयुक्त सचिव, स्वास्थ्य विभाग

5. इस समिति के विचारार्थ विषय, बहुद्देशीय कार्यकर्ता समिति और ग्रुप ग्रान मेडिकल एंजुमेंशन एण्ड सपोर्ट मैन पावर द्वारा दिए गये सुझावों को ध्यान में रखते हुए, देहात में सुन्दर स्वास्थ्य, पोषण और परिवार नियोजन सेवाएं प्रदान करने के उद्देश्य से व्यावहारिक रूप से प्रशिक्षित पैरामेडिकल काडरों के एक अंग के रूप में "बेयरफुट डाक्टरों" के सिद्धांत पर आगे विचार करना और इस सम्बन्ध में ऐसे सुझाव देना होगा कि जो शीघ्र कार्यान्वित किये जा सकें।

6. यह समिति ऐसे ऐसे अन्य व्यक्तियों और संस्थाओं से परामर्श कर सकती है जिन्हें वह जरूरी समझे और यह तीन महीने के भीतर अपनी रिपोर्ट सरकार को दे देगी।

[सं० जेड 16018/5/76-पी पी एच]

श्रवण कुमार, संयुक्त सचिव।

महा प्रबन्धक, भारत सरकार मद्रासालय, मिन्टो रोड, नई दिल्ली द्वारा मुद्रित तथा
नियंत्रक, प्रकाशन विभाग, दिल्ली द्वारा प्रकाशित 1976

PRINTED BY THE GENERAL MANAGER, GOVERNMENT OF INDIA PRESS, MINTO ROAD,
NEW DELHI AND PUBLISHED BY THE CONTROLLER OF PUBLICATIONS, DELHI, 1976